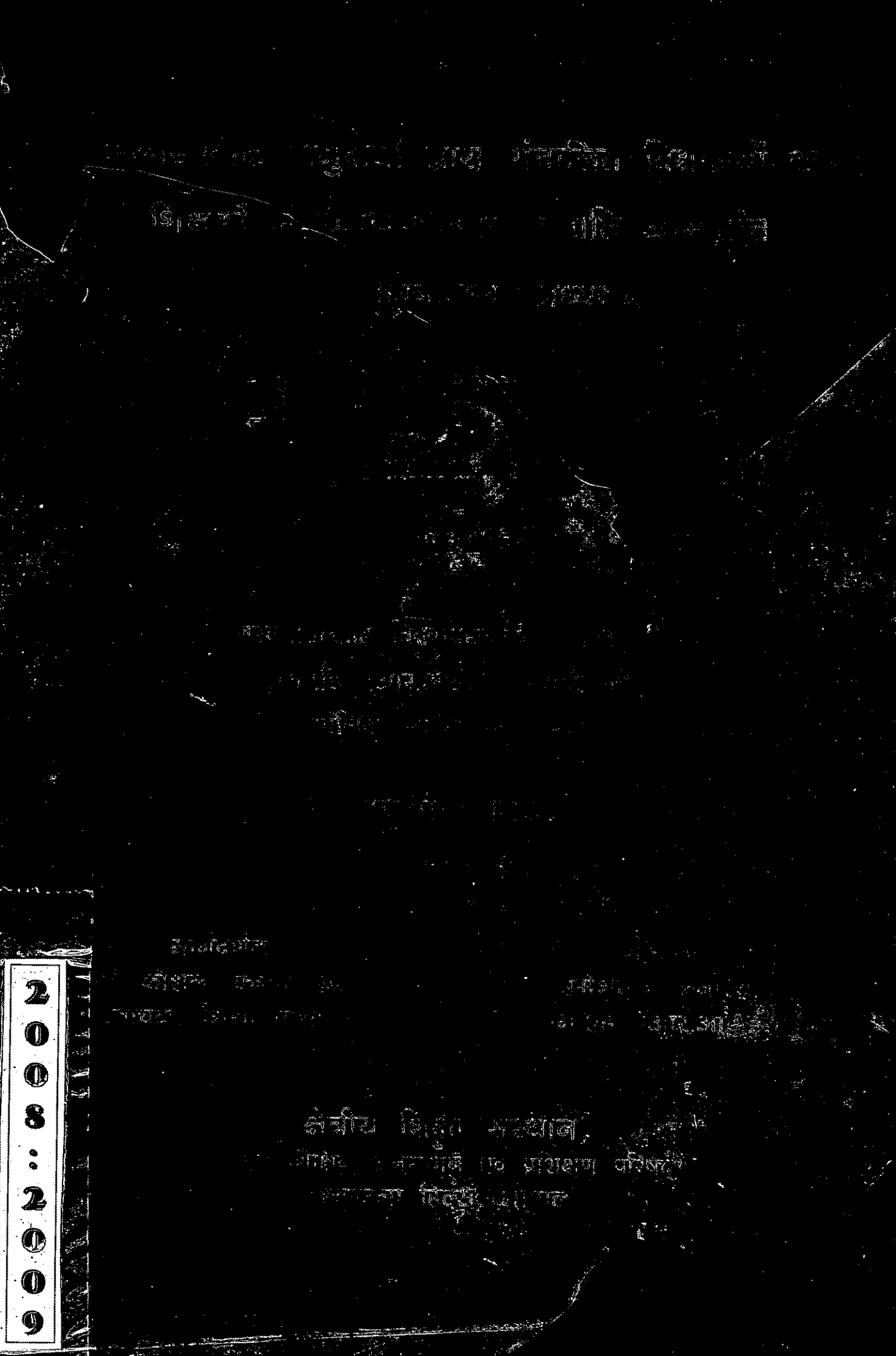

2008-2009

अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT
D-284

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध-प्रबंध

2008-2009

मार्गदर्शक
डॉ. कौशल किशोर खरे
प्रवाचक, शिक्षा विभाग

शोधार्थी
उमेशचन्द्र कनेरिया
एम.एड. (आर.आई.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल

घोषणा–पत्र

मैं, उमेशचन्द्र कनेरिया घोषणा करता हूँ कि एम.एड्. (आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत यह लघु शोध प्रबंध ''अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन'' मेरे मौलिक कार्य का परिणाम हैं।

इस शोध कार्य हेतु जिन स्त्रोतों से सहायता ली गई है, मैंने उनका उल्लेख संदर्भ ग्रंथ सूची में कर दिया हैं।

स्थान : भोपाल
दिनांकः 27/04/09

शोधार्थी

उमेशचन्द्र कनेरिया
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उमेशचन्द्र कनेरिया क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में एम.एड. (आर.आई.ई) का नियमित छात्र है। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध **"अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड.(आर.आई.ई) परीक्षा 2008–2009 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

27.4.09

स्थान– भोपाल

दिनांक–

मार्गदर्शक

डॉ. कौशल किशोर खरे

प्रवाचक, शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार–ज्ञापन

सर्वप्रथम मैं शिक्षा की देवी माँ सरस्वती को नमन् करते हुये अपने पूज्य गुरूजन व माता–पिता को नमन् करता हूँ। किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए सलाह, सहयोग एवं मार्गदर्शन की आवश्यकता पड़ती है। क्योंकि मनुष्य पूर्व ज्ञानी तो नही होता हैं। मनुष्य जब कोई कार्य शुरू करता है तो उसको अनेक लोगों का सहारा लेना पड़ता है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध – **"अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन"** की सम्पन्नता का सम्पूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक डॉ. कौशल किशोर खरे (प्रवाचक), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को जाता है जिन्होंने जिस सरलता एवं रूचि से मार्गदर्शन किया, इसके लिये मैं उनका अन्तर्मन एवं हृदय से आभारी हूँ।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ. आनंद बिहारी सक्सेना का आभारी हूँ जिन्होंने प्रस्तुत लघुशोध को सम्पन्न करने हेतु अनुमति प्रदान की।

मैं आदरणीय अधिष्ठाता डॉ. विजय कुमार सुनवानी शिक्षा विभागाध्यक्ष, डॉ. शिवकुमार गोयल तथा पूर्व शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. जी.एन.पी. श्रीवास्तव जी का कृतज्ञ हूँ। जिनकी प्रेरणा स्नेह, संरक्षण व सहयोग मुझे मिला।

मैं डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण, डॉ. शिवकुमार गुप्ता, डॉ. बी.रमेश बाबू, डॉ. एम. यू. पैइली, डॉ. रत्नमाला आर्या, डॉ. सुनीति खरे, डॉ. बासन्सी खरलुखी, श्री संजय पंडागले, श्रीमती अंजली सुहानी, श्रीमती सारिका साहू, श्री मंयक श्रीवास्तव व श्री बसन्त कुमार का अभारी हूँ। जिन्होंने समय–समय पर, उचित मार्गदर्शन दिया।

मैं, आभारी हूँ उन समस्त गुरूजनों का जो प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होनेवाले **'रिसर्च सेमीनार'** में अपना बहुमूल्य समय देकर अपने सुझाव देते रहें है।

मैं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल की लायब्रेरी एवं उसमे पदस्थ समस्त कर्मचारियों का आभारी हूँ, जिनसे मुझे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग मिला।

मैं उन सभी विद्यालयों के प्राचार्य व शिक्षकों का आभारी हूँ जिन्होंने प्रदत्तों के संकलन हेतु मुझे सहयोग प्रदान किया।

मैं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के समस्त कर्मचारियों व अपने सहपाठियों को धन्यवाद अर्पित करता हूँ जिनसे मुझे पूरे वर्ष सहयोग मिलता रहा।

मैं अपने माता पिता व परिवार के सभी सदस्यों का जीवन पर्यन्त ऋणी रहूँगा जिन्होंने मुझे शिक्षा के इस शिखर तक पहुँचाया।

अंत में मैं उन सब महानुभावों को धन्यवाद देना चाहूँगा जिन्होंने इस शोध कार्य हेतु मुझे सहयोग प्रदान किया।

स्थान : भोपाल

दिनांकः

शोधार्थी

उमेशचन्द्र कनेरिया

एम.एड. (आर.आई.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

अनुक्रमणिका

❖	मुख पृष्ठ	I
❖	घोषणा पत्र	II
❖	प्रमाण पत्र	III
❖	अभार ज्ञापन	IV-V

अध्याय	विवरण	पृष्ठ संख्या
अध्याय–प्रथम	**प्रस्तावना**	**1–17**
1.0	भूमिका	
1.1	धर्मनिरपेक्षता : अर्थ	
1.2	धर्मनिरपेक्षता : ऐतिहासिक परिदृश्य	
1.3	धर्मनिरपेक्षता : भारतीय परिपेक्ष्य	
1.4	धर्मनिरपेक्षता तथा नैतिक मूल्य	
1.5	शिक्षक की भूमिका	
1.6	शोध का शीर्षक	
1.7	शोध कार्य का परसीमन	
1.8	शोध कार्य में प्रयुक्त पदों की संक्रियात्मक परिभाषाएँ	
1.9	शोध के उद्देश्य	
1.10	शोध की परिकल्पनाएँ	
1.11	अध्ययन की आवश्यकता	

अध्याय–द्वितीय — संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण — 18–22

अध्याय–तृतीय — शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया — 23–27

3.1 जनसंख्या

3.2 न्यादर्श का चयन

3.3 शोध के चर

3.4 प्रयुक्त उपकरण

3.5 आँकड़ों का संकलन

3.6 फलांकन (स्कोरिंग)

3.7 प्रयुक्त सांख्यिकी

अध्याय–चतुर्थ — आँकड़ो का विश्लेषण, एवं व्याख्या — 28–34

4.1 धर्मनिरपेक्षता के प्रति शिक्षकों अभिवृत्ति की जानकारी प्राप्त करना

4.2 परिकल्पनाओं का परीक्षण

Ho^1 परिकल्पना

Ho^2 परिकल्पना

Ho^3 परिकल्पना

Ho^4 परिकल्पना

Ho^5 परिकल्पना

अध्याय–पंचम सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव 35–39

5.1 सारांश

5.2 शोध के निष्कर्ष

5.3 सुझाव

❖ संदर्भ ग्रंथ VI-VII

❖ परिशिष्ट IX-X

तालिका सूची

क्र.	तालिका क्र.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	3.2.1	शोध कार्य हेतु चयनित विद्यालयों के नाम	24
2.	3.2.2	न्यादर्श के रूप चयनित शिक्षकों का समुदाय व लिंग के अधार पर विवरण	24
3.	3.2.3	चयनित विद्यालयों से समुदाय व लिंग के आधार पर चयनित शिक्षकों का विवरण	25
3.	4.1.1	अल्पसंख्यक समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के मध्यमान व मानक विचलन	28
4.	4.2.1	जैन, ईसाई व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृति के अन्तर की तुलना	30
5.	4.2.2	जैन व ईसाई समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंतर की तुलना।	31
6.	4.2.3	जैन व मुस्लिम समुदायों के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंतर की तुलना	32
7.	4.2.4	ईसाई व मुस्लिम समुदाय के शिक्षकों में धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति कें अंतर की तुलना	33
8.	4.2.5	अल्पसंख्यक समुदायों के शिक्षकों में लिंग के आधार पर धर्मनिरपेक्षता के प्रति अभिवृत्ति के अंतर की तुलना	34